सत्यमेव जयते

न्यायालय
सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी–बाडमेर
(पीठासीन अधिकारी –केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:– 2024/45 (33/24) दर्ज तिथिः–11.01.2024

1. पाबूराम पुत्र अमराराम
2. खरथाराम पुत्र अमराराम
3. खेराजराम पुत्र अमराराम
4. चूनाराम पुत्र अमराराम
5. भूराराम पुत्र अमराराम
6. सोनाराम पुत्र अमराराम

जाति जाट निवासी मौखावा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर

– प्रार्थीगण

बनाम

1. लालाराम पुत्र जगराम
2. घेवरचन्द पुत्र जगमालराम
3. धोलाराम पुत्र जगमालराम

जाति विश्नोई निवासी मौखावा तहसील गुढामालानी जिला बाड़मेर

4. उदाराम पुत्र नाथाराम
5. पुरखाराम पुत्र अजाराम
6. पांचाराम पुत्र नाथाराम
7. बाबूराम पुत्र नाथाराम
8. भीखाराम पुत्र बादरराम
9. सुन्दरदेवी पत्नी पताराम
10. गिरधारी पुत्र नाथाराम
11. चूनाराम पुत्र पताराम
12. जेठाराम पुत्र आदूराम
13. जवाराराम पुत्र आदूराम फौत के कायम मुकाम
    13/1 बबरी पत्नी जवाराराम
    13/2 कालूराम पुत्र जवाराराम
    13/3 मोडूराम पुत्र जवाराराम
14. ढपीदेवी पत्नी बलवन्ताराम
15. तेजाराम पुत्र नाथाराम फौत के कायम मुकाम

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.06.06 20:52:14 IST
Reason: SelfAttested

15/1 झमूदेवी पत्नी तेजाराम
15/2 हरूराम पुत्र तेजाराम
15/3 अशोक पुत्र तेजाराम
15/4 हिमताराम पुत्र तेजाराम
16. नरसीराम पुत्र अजाराम
17. नानजीराम पुत्र पताराम
18. इन्द्रा पुत्र जवाराराम
19. दाडमी पत्नी चौथाराम
20. नरपतराम पुत्र चौथाराम
21. पाडूराम पुत्र जवाराराम
22. भंवरा पुत्र जवाराराम
23. रेशमाराम पुत्र जवाराराम
24. गंगूराम पुत्र मोडाराम
25. गणपत पुत्र मोडाराम
26. गिरधारी पुत्र जवाराराम
27. चेतनराम पुत्र चौथाराम
28. जगमालराम पुत्र चौथाराम
29. जबराराम पुत्र जवाराराम
30. टीकमाराम पुत्र मोडाराम
31. छलाराम पुत्र जवाराराम
जाति भील निवासी मौखावा तहसील गुढामालानी जिला बाड़मेर

......................असल अप्रार्थीगण

32. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुडामालानी

..............तरतीबी अप्रार्थी

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः— श्री चिमनसिंह चौधरी।
अप्रार्थीगणः— एकतरफा।

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128
राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956

—:निर्णयः—

निर्णय तिथिः—06.06.2024

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128 राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 995/19.1740 है0, वाके ग्राम मौखावा तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है। आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.06.06 20:52:14 IST
Reason: SelfAttested

बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार गुडामालानी के यहां प्रार्थना—पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार गुडामालानी द्वारा दिनांक 07.11.2023 को मौके पर उपस्थित होकर उक्त आराजी का सीमांकन कराकर निशानदेही कराई गई। परन्तु अप्रार्थीगण पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण मुताबिक पैमाइश रिपोर्ट दिनांक 07.11.2023 के आधार पर आराजी की पत्थरगढ़ी कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण बावजूद विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण उनके विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। प्रकरण में तहसीलदार गुडामालानी को पत्र क्रमांक कोर्ट/2024/266 दिनांक 11.03.2024 द्वारा बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट निर्धारित चैकलिस्ट में तैयार करने हेतु लिखा गया। जिसकी पालना में पटवार हल्का मौखावा ने दिनांक 03.04.2024 को मौके पर जाकर निर्धारित चैकलिस्ट में बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक तैयार कर न्यायालय हाजा में प्रस्तुत की।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्तागण की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थीगण अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना—पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 10.06.2023 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है।

4. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***111. Decision of disputes as to boundaries****.—(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

5. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.06.06 20:52:14 IST
Reason: SelfAttested

वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes.*** *- All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> ***Provided that*** *applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2075—2078 वाके ग्राम मौखावा में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार गुडामालानी द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड वाके ग्राम मौखावा के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 07.11. 2023 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार गुडामालानी के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर आराजी खसरा नम्बर 995 को मुस्तकिल बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 995/19.1740 है0, वाके ग्राम मौखावा तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार गुडामालानी को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.06.06 20:52:14 IST
Reason: SelfAttested

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार गुडामालानी को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 06.06.2024 को लिखवाया जाकर सरे–इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी (बाड़मेर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.06.06 20:52:14 IST
Reason: SelfAttested